Balika Diwas Speech in Hindi:-आदरणीय प्राचार्य महोदय, शिक्षकगण और यहां बैठे मेरे सहपाठियो आप सभी को मेरा नमस्कार । जैसा कि आप सभी जानते हैं कि आज हमारे संस्थान में राष्ट्रीय बालिका दिवस का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर मुझे बोलने का मौका मिला जिसका मैं आप आभारी हूं। वर्तमान समय में देश की बेटियों ने हर क्षेत्र में अपना परचम लहराया है। प्रतिदिन देश की बेटियां हर क्षेत्र में नए कीर्तिमान गढ़ रही हैं और देश का नाम रोशन कर रही हैं।

ऐसे में समाज में बेटियों को बराबरी का हक दिलाने एवं सम्मान पूर्वक जीने का अधिकार प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय बालिका दिवस (Rashtriya Balika Diwas) का आयोजन किया जाता है। आज भी देश में बेटियों के जन्म को लेकर विभिन्न प्रकार की सामाजिक धारणाएं व्याप्त हैं, जिसका खामियाजा मासूम बेटियों को भुगतना पड़ रहा है। Rashtriya Balika Diwas के माध्यम से जागरुकता के द्वारा देश की बालिकाओं की स्थिति को और बेहतर करने के प्रयास किए जाते हैं। आज के इस आर्टिकल में हम आपको राष्ट्रीय बालिका दिवस के बारे में सभी अहम जानकारी प्रदान करेंगे। साथ ही इस आर्टिकल के जरिए आप यह भी जान सकेंगे कि इस दिवस का भारत की पूर्व प्रधानमंत्री श्री मति इंदिरा गांधी (Former Prime Minister Shri Mati Indira Gandhi) जी से क्या संबंध है।

इस लेख को तैयार करने के लिए हमने राष्ट्रीय बालिका दिवस पर भाषण, (**National Girl Child Day Speech** in Hindi),राष्ट्रीय बालिका दिवस पर भाषण PDF ,बालिका दिवस पर भाषण कैसे दे , बालिका दिवस पर भाषण स्टूडेंट्स के लिए इन बिंदूओं पर रिसर्च कर के,इस लेख को तैयार किया है। राष्ट्रीय बालिका दिवस पर एक अच्छा भाषण तैयार करने के लिए इस लेख को आखिर तक पढ़े।

Rashtriya Balika Diwas Speech | राष्ट्रीय बालिका दिवस पर भाषण हिंदी में

देश में बालिकाओं को हर क्षेत्र में समान अधिकार प्रदान करने एवं बालिकाओं के प्रति होने वाली असमानताओं को दूर करने के लिए राष्ट्रीय बालिका दिवस (national girl child day) का आयोजन किया जाता है। इस दिवस के अवसर पर देश में बालिकाओंके अधिकारों को सुरक्षित करने एवं इसमें वृध्दि करने हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। वर्तमान समय में भी समाज में विभिन्न वर्गों में बालिकाओं के जन्म को लेकर विभिन्न प्रकार की भ्रांतियां मौजूद हैं, ऐसे में बालिकाओं को जन्म लेने से पूर्व ही मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। लैंगिक भेदभाव एवं बालिका शिक्षा के प्रति उदासीनता समाज में लड़कियों के अधिकारकादमन कर देती है।

समाज में बालिकाओं के अधिकारों को सुरक्षित करने एवं उन्हें सभी क्षेत्रों में बराबरी का अधिकार देनेके लिए राष्ट्रीय बालिका दिवस के माध्यम से विभिन्न प्रोग्रामों का आयोजन कियाजाता है। साथ ही इस अवसर पर बालिकाओं के कल्याण हेतु विभिन्न नीतियां एवं कार्यक्रमों को भी संचालित किया जाताहै।

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर भाषण PDF | Speech On National Girl Child Day in Hindi

राष्ट्रीय बालिका दिवस (national girl child day) का आयोजन प्रतिवर्ष 24 जनवरी को किया जाता है। इस दिवस के अवसर पर देश में बालिकाओं को समान अधिकार एवं अधिकतम कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों एवं योजनाओं को संचालित किया जाता है। साल 2023 मंत राष्ट्रीय बालिका दिवस 2023 का आयोजन मंगलवार, 24 जनवरी को किया जाएगा।

हालांकि यह याद रखना जरूरी है कि वैश्विक स्तर पर अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस (international girl child day) का आयोजन हर साल 11 अक्टूबर को किया जाता है। पूरी दुनिया में लड़कियों को लेकर नजरिया बदलने की बात को लेकर यह कार्यक्रम किया जाता है।

बालिका दिवस पर भाषण कैसे दे | Balika Diwas Per Bhashan Kaise De

विभिन्न सामाजिक अंधविश्वासों एवं सामाजिक भ्रांतियों के कारण लंबे वक्त से बालिका शिशु के जन्म को समाज में अभिशाप माना जाता रहा है। इसका परिणाम यह हुआ कि कन्या शिशु को जन्म से पूर्व ही कोख में मार दिया जाता है। वहीं कई बालिकाओं को जन्म के बाद लड़कों के समान अधिकार नहीं मिल पाते हैं तथा लैंगिक भेदभाव की वजह से उन्हें शिक्षा, रोजगार एवं अन्य अवसरों के लिए बराबरी का अधिकार नहीं दिया जाता है।

ऐसे में बालिकाओं को अपने सम्पूर्ण जीवनकाल में विभिन्न समस्याओं से जूझना पड़ता है। समाज में बालिकाओं के प्रति व्याप्त असमानता को दूर करने एवं सभी क्षेत्रोंमें बालिकाओं को समानता का दर्जा देने के लिए राष्ट्रीय बालिका दिवस (Rashtriya balika diwas) मनाया जाता है। इस दिवस के माध्यम से समाज को बालिका अधिकारों के बारे में जागरुक किया जाताहै।

बालिका दिवस पर भाषण स्टूडेंट्स के लिए | Rashtriya Balika Diwas Speech For Students

राष्ट्रीय बालिका दिवस का आयोजन बालिकाओं बालिकाओं के अधिकार एवं उन्हें सभी क्षेत्रों में बराबरी का अधिकार देने के संबंध में जागरुकता उत्पन्न करने के लिए किया जाता है। राष्ट्रीय बालिका दिवस (national girl child day) हर साल 24 जनवरी को मनाया जाता है, ऐसे में यह जानना दिलचस्प होगा कि यह दिवस इसी तारीख को ही क्यों मनाया जाता है?

दरअसल इसके पीछे देश में नारी सशक्तिकरण का सबसे आदर्श उदाहरण है। 24 जनवरी 1996 ही वह जरूरी साल है,जब देश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी (Prime Minister Indira Gandhi) जी ने देश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी।

ऐसे में इस ऐतिहासिक दिवस का स्मरण करने के लिए प्रतिवर्ष 24 जनवरी को राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। 24 जनवरी को राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाने की घोषणा "महिला एवं बाल विकास मंत्रालय"(Ministry of Women and Child Development), भारत सरकार द्वारा साल 2008 में की गई थी और 2009 में हर साल 24 जनवरी को यह मनाया जाने लगा ।महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा उठाए गए कदम

- बालिका बचाओ
- बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ
- सुकन्या समृध्दि योजना
- सीबीएसई उड़ान योजना
- बालिकाओं के लिए मुफ्त या रियायती शिक्षा
- कॉलेज और विश्वविद्यालयों में महिलाओं के लिए आरक्षण